कुल की सेठानी | By Yash Tibrewal |

कुलोद में बैठी म्हारी कुल की सेठानी
कुलोदया मैया राजरानी म्हारी महारानी

धाम अद्भुत है माँ का निराला
लगे भक्तों को बड़ा ही प्यारा
अनुपम माँ का श्रृंगार
गले बैजंती माल
मन हुआ है आज मतवाला रे
मतवाला रे
कुलोद में बैठी मा----------

माँ सरस्वती संग विराजे
हृदय में रूप माँ का साजे
देती बुद्धि माँ आज
जागे मन में अनुराग
नतमस्तक हूँ आज अपनी माँ के आगे
अपनी माँ के आगे
कुलोद में बैठी मा----------

माँ लक्ष्मी का रूप अति प्यारा
दर्शन पाकर हुआ मन मतवाला
भरती भक्तों के भंडार
कर देती मालामाल
करूँ क्या गुणगान आज माँ के आगे
आज माँ के आगे
कुलोद में बैठी मा----------

अन्नपूर्णा मैया संग विराजे
बजरंगबाला भी मन को लुभाते
संग शिव परिवार
बैठे भैरव भी साथ
माँ का द्वार है अद्भुत निराला रे
निराला रे

कुलोद में बैठी म्हारी कुल की सेठानी
कुलोदया मैया राजरानी म्हारी महारानी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%a0%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-yash-tibrewal/